

# महिला वैज्ञानिक और उद्यमी - नए भारत के लिए विज्ञान प्रेरक स्वर्ण जंयती महिला बायोटेक पार्क में महिला बायोटेक इंक्यूबेटर का उद्घाटन

Posted On: 16 OCT 2017 5:42PM by PIB Delhi

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने आज चेन्नई में आईआईएसएफ-2017 के दौरान स्वर्ण जंयती महिला बायोटेक पार्क में महिला बायोटेक इंक्यूबेटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महिला बायोटेक पार्क के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन तथा तमिलनाडु के उद्योग मंत्री श्री एम. सी. सम्पत उपस्थित थे।

डॉ. हर्षवर्धन ने आईआईएसएफ-2017 में महिला वैज्ञानिक तथा उद्यमी सम्मलेन को संबोधित किया। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि विश्व में विज्ञान में महिलाओं से संबंधित विषयों और उनके बारे में नीति बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। भारत में हमने महिला सशक्तिगण पर विशेष बल दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसे विशेष कार्यक्रमों की आवश्यकता जताई है जो महिलाओं को न केवल तकनीकी रूप से सशक्त बनाएं बल्कि रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करें।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा उद्यमिता के क्षेत्र में पिछले 100 वर्षों में भारतीय महिलाओं की बड़ी उपस्थिति रही है। 1985 में आनंदीबाई जोशी मेडिकल डॉक्टरेट डिग्री पाने वाली पहली महिला थीं। 1931 में जानकी अम्मल को विज्ञान में डॉक्टरेट प्राप्त हुआ। किसी भारतीय विश्व विद्यालय से 1941 में विज्ञान में डिग्री पाने वाली प्रथम असीमा चटर्जी महिला थीं। महिलाओं ने विज्ञान की मजबूत आधारशिला रखी है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। महिला वैज्ञानिकों को आकर्षित करने और बेरोजगार महिला वैज्ञानिकों के लिए रोजगार प्रोत्साहित करने की डीएसटी और डीबीटी में अनेक योजनाएं हैं। महिला उद्यमिता बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री द्वारा घोषित स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया कार्यक्रम महिला उद्यमियों के लिए अनेक अवसर प्रदान किए गए हैं।

बायोटेक पार्क केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी का अच्छा उदाहरण है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने आशा व्यक्त की कि राज्य सरकार के सहयोग से बायोटेक पार्क में स्टार्टअप इंडिया तथा मेक इन इंडिया के अंतर्गत महत्वपूर्ण गतिविधियां चलाई जाएंगी। डीएसटी और डीबीटी द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय की अनेक नवाचारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और बीआईआरएसी के कार्यक्रमों से आज जीवंत नवाचारी पारिस्थितिकी प्रणाली बनी है। 100 से अधिक स्टार्ट अप और लगभग 200 महिला उद्यमियों को समर्थन दिया गया है। अटल नवाचार मिशन का उद्देश्य नवाचारी पारिस्थितिकी प्रणाली को प्रोत्साहित करना भी है।

सम्मेलन में महिला वैज्ञानिकों और उद्यमियों की शानदार भागीदारी से विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री प्रसन्न हुए। उन्होंने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष बल दे रहा है और मंत्रालय को पूर्वोत्तर क्षेत्र में महिला बायोटेक इंक्यूबेटर की स्थापना से उन्हें प्रसन्नता होगी।



उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिला वैज्ञानिक देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान करेंगी और प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया के सपने को साकार करेंगी। निश्चित रूप से महिला वैज्ञानिक और उद्यमी नए भारत के निर्माण के लिए विज्ञान प्रेरक हैं। डॉ. हर्षवर्धन ने 'जेनेसिस ऑफ बायोटेक पार्क' पुस्तक का लोकार्पण किया।



महिला वैज्ञानिक सम्मेलन चेन्नई में भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस 2017 के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया। सम्मेलन में 350 से अधिक महिला वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षक और उद्यमी शामिल हुईं। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग की सचिव तथा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की महानिदेशक डॉ. सोम्या स्वामिनाथन ने प्रमुख भाषण दिया।

\*\*\*

वीके/एकेजी/सीएस- 5082

(Release ID: 1506278) Visitor Counter : 19

